कालीन निर्यात संवर्धन परिषद्
CARPET EXPORT PROMOTION COUNCIL
*(Set up by Ministry of Textiles, Govt. of India)*
**Working Office :** 2nd Floor, Rajiv Gandhi Handicrafts Bhawan, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi – 110001
**Phone :** +91-11-233 647 16, 233 64717
**E-mail :** info@cepc.co.in, **Website :** www.cepc.co.in
**Regd. Office :** Shreejee Complex, Shop No. T-3, Sharma Market, Harola, Noida (U.P)
**Website of Ministry of Textiles :** www.texmin.nic.in

# प्रेस विज्ञप्ति

27 अक्टूबर, 2020

आज दिनांक 27 अक्टूबर, 2020 को श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के मार्गदर्शन मे, सदस्यों को शिक्षित करने, विभिन्न व्यापार प्रथाओं के बारे में जागरूकता फैलाने, मशीन से निर्मित कालीन और अन्य फर्श कवरिंग के आयात को प्रतिबंधित करने के लिए, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने **"व्यापार उपचार और निर्यात संवर्धन उपाय"** विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद , श्री उमेश कुमार गुप्ता, सदस्य प्रशासनिक समिति, श्री सतीश कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक, व्यापार उपचार महानिदेशालय (DGTR), भारत सरकार, श्री अमित कुमार, संयुक्त डीजीएफटी, कानपुर, श्री संजय कुमार, अधिशासी निदेशक, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद और सदस्य निर्यातक वेबिनार में शामिल हुए ।

श्री सिद्ध नाथ सिंह ने अपने स्वागत भाषण में तुर्की से मशीन निर्मित कालीनों के आयात का मुद्दा उठाया और घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए कालीनों और अन्य फर्श कवरिंग के आयात पर 200% तक उच्च आयात शुल्क लगाने की आवश्यकता जताई। श्री सिद्ध नाथ सिंह ने आयातित कालीनों के उपयोग से स्वास्थ्य मुद्दों की भी जानकारी दी। श्री सिद्ध नाथ सिंह ने उल्लेख किया कि हाल ही मे माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, भारत सरकार के साथ बैठक में इस मुद्दे को उठा चुके हैं ।

श्री सतीश कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक, व्यापार उपचार महानिदेशालय (DGTR), ने व्यापार उपचार उपायों पर एक प्रस्तुति दी और वाणिज्य विभाग के निकाय व्यापार उपचार महानिदेशालय (DGTR) के गठन के बारे में जानकारी दी । उहोने बताया की व्यापार उपचार महानिदेशालय, एंटी-डंपिंग, एंटी-सब्सिडी और उत्पादों की सुरक्षा के मुद्दों पर अनुसंधान और जांच करता है और ड्यूटी लगाने के लिए केंद्र सरकार (वित्त मंत्रालय) को सिफारिश करता है। श्री सतीश कुमार ने एंटी डंपिंग, एंटी सब्सिडी और सेफगार्ड मुद्दों की प्रक्रियाओं की विस्त्र जानकारी दी।

श्री अमित कुमार, संयुक्त डीजीएफटी, कानपुर ने कालीनों के वैश्विक आयात पर एक प्रस्तुति दी और प्रतिभागियों को बाजार विश्लेषण पर आकडे प्रदर्शित किए । श्री अमित कुमार ने उल्लेख किया कि उद्योग मे विविधीकरण की आवश्यकता है और यह जानने के लिए निर्यातको को इस बात को पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि कौन से उत्पाद की मांग में अधिक हैं और वैश्विक बाजार में उत्पाद के निर्यात का कितना हिस्सा है।

श्री संजय कुमार ने वेबिनार के लिए अपना बहुमूल्य समय देने और सदस्यों के साथ बहुमूल्य जानकारी साझा करने के लिए प्रख्यात वक्ताओं को धन्यवाद दिया, उन्होने कहा की यह वेबिनर निश्चित रूप से सदस्यों को लाभान्वित करेगा।